श्रीमती मार्गरेट कुजूर
पता–सी एम पी डी आई
कालोनी धर्मजयगढ़ जिला रायगढ़
मो.9669213973
मेल–margreatkujur@gmail.com

चमचमाती सड़कों के किनारे

चमचमाती सड़कों के किनारे
खड़ी है ऊंची –ऊंची इमारतें,
शायद कुछ ढूंढते नंग धड़ंग
अधखुले वस्त्रों से ढके
भूख से अकुलाते बच्चे,
चमचमाती सड़कों के किनारे।
ऊंची ऊंची इमारतें ,
अभावो की जंजीरों से जकड़े बच्चे,
शिक्षा से अछुते बच्चे
शायद ये सोचते इन सड़कों
के किनारे मिल जाए रोटी
के कुछ टुकड़े,
चमचमाती सड़कों के किनारे।
खड़ी है ऊंची–ऊंची इमारतें
अभावों ने सिखाया इन्हें
कहां मिलती है ,
बासी रोटी के टुकड़े,
चमचमाती सड़कों के किनारे।
बेबसी व लचारी
से घिरे हुए लोगों के बच्चे
असुविधाओं, असाधनो
से घिरे हुए लोगों के बच्चे

दिखते हैं,
चमचमाती सड़कों के किनारे।

नन्ही सी जान

मां के कोख में बसी नन्ही सी जान हूं,
जीना चाहती हूं संसार में आना चाहती हूं,
क्योंकि मेरे बिना तो सारा संसार अधूरा है,
मां के कोख में बसी नन्ही सी जान हूं।
आज के रूढ़ियों के सम्मुख
मां की ममता विवश हैं,
क्योंकि मैं उनका स्वरूप हूं
कन्या भ्रूण हत्या का शिकार हूं मैं
इसलिए ऐ! रूढ़ियों के पुजारी,
मुझे अपने बनाए संसार में आने से मत रुको,
कहीं ऐसा ना हो
मेरी संख्या को उंगलीयो में गिना जाए,
और यह धरती
नारी बिन बंजार हो जाए,
मां के कोख में बसी नन्हीं सी जान हूं।